ब्रूसेल्ला रोग

कारण

यह रोग ब्रूसेल्ला समूह के जीवाणु द्वारा होता है

लक्षण

- तेज बुखार, सुस्ती, बेचैनी व दूध में कमी
- अन्तिम तीन माह में गर्भपात हो जाना
- गर्भपात के पश्चात जेर का समय पर नहीं गिरना
- योनि से भूरा सफेद मवाद युक्त स्राव
- समय से पूर्व ब्यांने जैसे लक्षण दिखाना
- नर पशुओं में बुखार, जोड़ों तथा अण्डकोषों में सूजन

बचाव व उपचार

6 से 9 माह की आयु वाले मादा पशुओं में "ब्रूसेल्ला स्ट्रेन -19" द्वारा टीकाकरण करायें

- योनि स्राव की प्रयोगशाला में जांच करायें
- गर्भधारण करने में असमर्थ पशुओं की जांच करावें
- गर्भावस्था के दौरान योनि से गंदा बदबूदार स्राव आने, पशु द्वारा जोर लगाने जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत पशु चिकित्सालय में सम्पर्क करें
- पहले गर्भपात हो चुके पशुओं के गर्भधारण पर बच्चा होने तक निगरानी रखें
- गांव के नर सांड का परीक्षण अवश्य करायें
- रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशु से स्वयं का बचाव करें

यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है जिससे बुखार आना, जोड़ों व अण्डकोषों में सूजन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग
स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.)
(राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय)
एन.एच. 11, आगरा रोड़, जामडोली, जयपुर-302031